डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय समाचारिकी
Dr. Sarvepalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University Newsletter

अप्रेल 2026 | आयुर्वेदात्मकं ज्योतिः शाश्वतं नः प्रकाशताम्। | वर्ष 8, अंक 04

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में नवम दीक्षान्त समारोह सम्पन्न (विस्तृत समाचार पृष्ठ - 28 पर)

इस अंक में .....

- विश्वविद्यालय में गंजेपन व बाल झड़ने का के ईलाज़ हेतु नई पीआरपी यूनिट शुरू
- विश्वविद्यालय व आईसीएमआर- एनआईआईआरएनसीडी जोधपुर के बीच एमओयू
- विश्वविद्यालय में पर्वतासन अभ्यास का विश्व कीर्तिमान स्थापित
- विश्वविद्यालय में सेमी ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आयोजित
- विश्वविद्यालय में विद्धकर्म कार्यशाला आयोजित
- वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव आयुर्घोष-2026 आयोजित
- विश्वविद्यालय में आयुष स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन

RAJBIL/2017/74087

कुलगुरू सन्देश .....

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि हमारे विश्वविद्यालय की त्रैमासिक समाचार पत्रिका के इस अंक में जनवरी से मार्च 2026 तक की अपनी शैक्षणिक, शोध एवं सामाजिक गतिविधियों की उपलब्धियों को आप सभी के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अवधि में विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के अन्तर्गत सेमिनार, कार्यशालाएँ, वेबिनार तथा विशेषज्ञ व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों को नवीनतम शोध एवं उपचार पद्धतियों से अवगत कराया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण सहित देशभक्ति से ओत–प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों में आयुष पद्धतियों से सम्बन्धित परामर्श, औषधि वितरण एवं स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्रामीण क्षेत्रों एवं गोदग्रामों में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से अनकों लोगों को लाभान्वित किया गया।

माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल, राजस्थान श्री हरिभाऊ बागड़े जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के नवम दीक्षांत समारोह का गौरवपूर्ण आयोजन हुआ। इसमें केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मंत्री, राजस्थान सरकार श्री प्रेमचंद बैरवा व राजस्थान कें कैबिनेट मंत्री श्री जोगाराम पटेल जी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह की शोभा को बढ़ाया। उनके प्रेरणादायी उद्‌बोधनों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण एवं सेवा के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

इस अवधि में विश्वविद्यालय ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों का उद्देश्य शोध, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं आयुर्वेद के वैश्विक प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देना है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए। बच्चों की स्मरण शक्ति, बुद्धि एवं प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में सहायक स्वर्णप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों को स्वर्णप्राशन करवाया गया। विद्यार्थियों ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेल गतिविधियों में भाग लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा अनेक पुरस्कार प्राप्त किए।

आप सभी के उज्ज्वल भविष्य व उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता करते हुए यह अंक आप सुधि पाठकों को समर्पित करता हूँ।

(प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल)
कुलगुरू

विश्वविद्यालय में गंजेपन व बाल झड़ने का के ईलाज़ हेतु नई पीआरपी यूनिट शुरू

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में अब गंजेपन और बाल इड़ने की समस्याओं का भी कारगर इलाज हो सकेगा। इसके लिए स्नातकोत्तर अगद–तंत्र विभाग के अधीन नवस्थापित प्लेटलेट रिच प्लाज्मा (पीआरपी) थैरेपी यूनिट दिनांक 01 जनवरी 2026 को शुरू की गई है। इसमें शुरुआती दौर मे मेडिसिन व किट का ही खर्च लिया जा रहा है। इसके अलावा प्रोसिजर व इलाज पूरी तरह से निःशुल्क रखा गया है। खास बात यह है कि युवाओं मे गंजेपन के इलाज का ऐसा क्रेज़ बना हुआ है कि पीआरपी थैरेपी यूनिट शुरू होने के पहले दिन ही 10 मरीजों की थैरेपी की गईं। आगामी चरण में शोधपरक कार्य तथा क्लिनिकल स्टडीज़ शुरू होगी। कुलगुरू प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने फीता काटकर पीआरपी थैरेपी यूनिट का उद्‌घाटन किया। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर, प्रो. दिनेशचंद शर्मा, प्रो. हरीश सिघंल, डॉ. प्रवीण प्रजापत, डॉ. अनिता राजपुरेहित, डॉ. अरुणा तिवारी सहित अनेक स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में नव वर्ष पर हरित अभियान की शुरुआत के साथ 31 पौधों का रोपण

विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद राहाय शुक्ल ने नए वर्ष के अवसर पर दिनांक 1 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में कांचनार एवं कनेर के 31 पौधों का रोपण किया। यह पौधारोपण अभियान परिसर को अधिक

हरित, स्वच्छ एव पर्यावरण–अनुकूल बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलगुरू ने कहा कि प्राकृतिक सम्पदा का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

आयुर्वेद प्रकृति से जुड़ाव का विज्ञान है और पौधारोपण न केवल पर्यावरण को समृद्ध करता है, बल्कि आने वाली पीढियों के लिए स्वस्थ जीवन का आधार भी तैयार करता है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से भी पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं प्रकृति सवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, प्रो. देवेंद्र चाहर, डॉ. श्योराम शर्मा, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, डॉ राजेंद्र प्रसाद पूर्विया, डॉ. निकिता पवार सहित स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे।

वैदिक योग प्रस्तुति से दिया स्वास्थ्य जागरुकता का संदेश

जनवरी 2026 के प्रथम सप्ताह में जोधपुर में आयोजित पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प मेले में आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साईन्सेज़ (यूसीएनवाईएस) की योगा टीम द्वारा दिनांक 1 जनवरी 2026 वैदिक मंत्र पर योगाभ्यास की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गईं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ चंद्रभान शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि योग के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन एवं जन–जागरुकता के उद्देश्य से महाविद्यालय के स्नातक छात्र–छात्राओं द्वारा यह योग प्रदर्शन प्रस्तुत किया गया। इस योग प्रस्तुति को मेले में उपस्थित दर्शकों द्वारा अत्यन्त सराहना मिली तथा लोगों ने योग के प्रति विशेष रुचि प्रदर्शित की। इस अवसर पर यूसीएनवाईएस संकाय सदस्य डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. अजीत सिंह चारण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

कुलगुरू के जन्मदिवस पर विश्वविद्यालय में पौधारोपण से स्वास्थ्य संरक्षण का संदेश

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल के जन्मदिवस के अवसर पर दिनांक 02 जनवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में कुलगुरू सहित संकाय सदस्यों ने जामुन, निर्गुण्डी एवं वासा सहित औषधीय महत्त्व के 61 पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर कुलगुरू ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य संरक्षण और प्रभावी चिकित्सा के लिए अधिक से अधिक औषधीय पौधों का रोपण एवं संरक्षण समय की आवश्यकता है। आयुर्वेद की मूल भावना प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर स्वास्थ्य की रक्षा करना है। आयोजन में प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, उपप्राचार्य प्रो. ए. नीलिमा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चंद शर्मा, प्रो. ऋतु कपूर, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पूर्विया, डॉ. मनोज अदलखा, डॉ. नरेन्द्र सिंह पुरोहित, डॉ. पूजा पारीक, डॉ. मनीष यादव, डॉ. निकिता पंवार, डॉ. प्रियंका सहित शिक्षकगण एवं स्नातकोत्तर द्रव्यगुण विज्ञान विभाग के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चल चिकित्सा शिविर आयोजित

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय की चल चिकित्सा इकाई द्वारा जूना रामद्वारा चांदपोल में दिनांक 04 जनवरी 2026 को एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेद चल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुलगुरू प्रो. शुक्ल के शिविर के निरीक्षण के अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों द्वारा उनका स्वागत–सत्कार किया गया। इस अवसर पर उन्होंने जूना रामद्वारा पीठाधीश संत अमृतराम महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। कुलगुरू ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य का विज्ञान है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। शिविर के अंतर्गत संधिगत रोग एवं परामर्श चिकित्सा सेवाओं के माध्यम से नेत्राभिष्यंद, त्वचा रोग, अर्श, सन्धिगत रोग, ज्वर आदि से पीड़ित 150 से अधिक रोगियों को निःशुल्क परामर्श व आयुर्वेदिक औषधियां प्रदान की गईं। शिविर में प्रभारी डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. जितेंद्र कुमावत, पीजी अध्येता डॉ. अशोक कुमार सेन, डॉ. रवि लुंकड, डॉ. निशा, डॉ. गुड्डी, ने सेवाएं प्रदान कीं।

हस्तशिल्प मेले में प्रकृति परीक्षण आयोजित

विश्वविद्यालय द्वारा रावण का चबूतरा, जोधपुर में जनवरी के प्रथम सप्ताह मे आयोजित पश्चिमी राजस्थान हस्तशिल्प उद्योग मेला 2025–26 में आमजन को निरंतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गई। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के साथ–साथ शैक्षणिक प्रगति का भी प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं में पंचकर्म चिकित्सा, प्रकृति परीक्षण, स्वर्ण प्राशन, नशामुक्ति परामर्श, सामान्य आयुर्वेद चिकित्सा, होम्योपैथी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शामिल हैं। सैकड़ों लोगों ने इस अवसर पर अपनी प्रकृति की जांच करवाई और प्रकृति अनुसार आहार एवं जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित हुए।

स्वर्णप्राशन शिविर आयोजित

स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग .द्वारा 5 जनवरी 2026 को पुष्य नक्षत्र के अवसर पर शनिश्चर जी का थान परिसर में स्वर्णप्राशन संस्कार एवं आयुर्वेदिक बाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल, के मुख्यातिथ्य में किया गया। कुलगुरू ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने स्वर्णप्राशन संस्कार को भारतीय आयुर्वेदिक परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि यह भावी पीढ़ी को स्वस्थ, सशक्त एवं संस्कारित बनाने की दिशा में प्रभावी माध्यम है। उन्होंने विश्वविद्यालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा समाजोपयोगी कार्यों एवं बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

विश्वविद्यालय आईसीएमआर – एनआईआई आरएन सीड जोधपुर के बीच एमओयू

विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय असंचारी रोग कार्यान्वयन अनुसंधान संस्थान (ICMR-National Institute for Implementation Research on Non Communicable Diseases, Jodhpur) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दिनांक 06 जनवरी 2026 को हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल एवं आईसीएमआर –नीरएनसीडी के निदेशक प्रो. (डॉ.) पंकज भारद्वाज की उपस्थिति में आगामी पांच वर्षों के लिए किया गया है, जिसके अंतर्गत दोनों संस्थान मेडिकल हेल्थ रिसर्च, सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में संयुक्त रूप से अनुसंधान, प्रशिक्षण, छात्र एवं संकाय आदान–प्रदान तथा संयुक्त परियोजनाओं पर कार्य करेंगे। इस सहयोग से गैर संचारी रोगों, पोषण एवं आयुष आधारित उपचार पद्धतियों पर अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा तथा विद्यार्थियों और शोधकताओं को आधुनिक सुविधाओं एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त होगा। इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्राचार्य पीजीआईए प्रो. चंदन सिंह, प्रसूति तंत्र विभागाध्यक्ष व एम.ओ.यू. समन्वयक प्रो. ए. नीलिमा, स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, स्नातकोत्तर बालरोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश सिंघल, डीटीएल लैब की निदेशक डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. रविप्रताप व आईसीएमआर –नीरएनसीडी की ओर से वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ, पीके आनंद, डॉं. सुरेश यादव एवं डॉ. जनेश कुमार गौतम उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय एवं एमडीएस यूनिवर्सिटी, अजमेर के मध्य एमओयू सम्पन्न

विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी–मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) एवं महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर दिनांक 7 जनवरी 2026 को हस्ताक्षर किए गए। एमडीएस यूनिवर्सिटी के कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल एवं आयुर्वेद विश्वविद्यालय जोधपुर के कुलगुरू प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल ने पारस्परिक सहमति से इस एमओयू को औपचारिक रूप दिया। इसके अन्तर्गत उच्च शिक्षा व आयुष क्षेत्र में शैक्षणिक सहयोग, फैकल्टी डेवलपमेंट, शोध उन्मुख गतिविधियाँ, नवाचार, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी–2020) के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना निर्धारित है। इस अवसर पर एमडीएस यूनिवर्सिटी के कुलगुरू प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि यह एमओयू आयुष शिक्षा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य में एक मजबूत शैक्षणिक सेतु का कार्य करेगा। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने इसे आयुर्वेद एवं पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र मे एक दूरगामी और सकारात्मक कदम बताया। इस अवसर पर कुलसचिव श्रीमान् अखिलेश कुमार पीपल, वित्त नियंत्रक श्री अतुल बल रतनू, प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, डीन फैकल्टी आयुर्वेद प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, होम्योपैथी महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. गौरव नागर, योग व नेचुरोपैथी महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजाराम अग्रवाल, डीन रिसर्च प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर, उपकुलसचिव डॉ. मनोज कुमार अदलखा, क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेशचंद शर्मा, बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल सहित कई संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर में 91 लोगों का उपचार

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल एवं पूर्व राज्य मंत्री प्रो. महेन्द्र सिहं राठौड की उपस्थिति में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज़ द्वारा तीन दिवसीय निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर का शुभारम्भ दिनांक 08

जनवरी 2026 को किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि तीन दिवसीय निःशुल्क प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग शिविर मानसागर उद्यान में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रख्यात वास्तुशास्त्री एवं शिक्षाविद प्रो. क्षितिज महर्षि, प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर सहित संकाय सदस्य उपस्थित रहे। शिविर में प्रातः कालीन योग सत्र, चुंबक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंचर, इंफ्रारेड, हाइड्रो थैरेपी, मिट्टी चिकित्सा आदि द्वारा उपचार किया गया। शिविर में महाविद्यालय के चिकित्सकों डॉ. राकेश गुप्ता, डॉ. मार्कंडेय बारहठ, डॉ. अजीत सिंह चारण, डॉ. कविता फोगावट, डॉ. भुवनेश अग्रवाल, डॉ. कीर्ति बड़ोदिया द्वारा विभिन्न रोगों की जांच एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 91 लोगों का उपचार किया गया। यह शिविर संतोष ठाकुर की पुण्य स्मृति में उनके पुत्र सतीश ठाकुर के सहयोग से आयोजित हुआ।

आयुर्वेद के क्षेत्र में उपलब्ध वैश्विक अवसरों पर एक कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा पीजीआईए सभागार में 09 जनवरी 2026 को **ग्लोबल ऑपरट्यूनिटीज़ इन आयुर्वेदा** विषय पर महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता एसोसिएशन ऑफ आयुर्वेद अकादमी, लंदन यूके के निदेशक डॉ. वेंकट नारायण जोशी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने की। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य आयुर्वेद से जुड़े शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को वैश्विक शैक्षणिक, शोध एवं व्यावसायिक अवसरों से परिचित कराना है, जिससे आयुर्वेद को अंतराष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ पहचान

मिल सके। डॉ. जोशी ने अपने संबोधन में आयुर्वेद की वैश्विक संभावनाओं, अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान, क्लिनिकल प्रैक्टिस व नियामक ढांचे पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आयुर्वेद के लिए विश्व में अपार अवसर उपलब्ध हैं व वैज्ञानिक दृष्टिकोण व गुणवत्ता मानकीकरण से इनका लाभ लिया जा सकता है। अंत में प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया।

कुलगुरू ने किया अलवर के होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण

कुलगुरू प्रो. डॉ. गोविंद सहाय शुक्ल ने युवराज प्रताप सिंह मैमोरियल होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज का दिनांक 10 जनवरी 2026 को गहन निरीक्षण किया। कुलगुरू ने कॉलेज के समस्त विभागों एवं चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक व्यवस्था, चिकित्सालय सेवाओं प्रयोगशाला, ओपीडी, आईपीडी, रिकॉर्ड संधारण, शिक्षण प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं संस्थान में संचालित विविध गतिविधियों की विस्तार से जानकारी हासिल कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, शिक्षण प्रशिक्षण में गुणवत्तापूर्ण सुधार करने व चिकित्सालय सेवाओं में विस्तार करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश कॉलेज प्रशासन को दिए।

इस अवसर पर कुलगुरू ने छात्र–छात्राओं से चर्चा कर उन्हें

चिकित्सा क्षेत्र में बेहतर सेवाएं प्रदान कर जन–2 को लाभान्वित करने का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान कॉलेज चेयरमैन डॉ. वी. के. अग्रवाल, डॉ. मंजू अग्रवाल, कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम. के. शर्मा, वरिष्ठ होम्यो चिकित्सक डॉ. एस. एस. कुंतल, प्रो. डॉ. अशोक पाठक, प्रो. डॉ. अजीत सिंह, प्रो. डॉ. पी. एस. चौधरी, प्रो. डॉ. प्रदीप शर्मा, प्रो. डॉ. रूपेश सोनी एवं सभी विभागों के प्रोफेसर, चिकित्सक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण हेतु अलवर आगमन पर विश्व आयुर्वेद परिषद, चिकित्सक प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रभारी डॉ. पवन सिंह शेखावत के नेतृत्व में परिषद सदस्यों द्वारा माननीय कुलगुरू प्रो. डॉ. गोविंद सहाय शुक्ल का स्वागत व सम्मान किया गया।

राजकीय विद्यालय मे होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दिनांक 10 जनवरी को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड सेक्टर–11, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में विद्यालय के कक्षा 7 से 12 तक के 95 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथी परामर्श व औषधियां प्रदान की गयीं। शिविर में डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. राकेश कुमार मीणा ने सेवाएं दी।

विश्वविद्यालय में पर्वतासन अभ्यास का विश्व कीर्तिमान स्थापित

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के पावन अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की उपस्थिति में पर्वतासन अभ्यास का विश्व कीर्तिमान दिनांक 10 जनवरी 2026 को स्थापित हुआ। कार्यक्रम के समन्वयक एवं यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एण्ड योग सांइसेज़ के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस आयोजन में विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, योग एवं नेचुरोपैथी, होम्योपैथी एवं आयुर्वेद बी.एस.सी. नर्सिंग संकाय के लगभग एक हजार छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। यह विश्व कीर्तिमान योगा बुक ऑफ रिकॉर्डस के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, योग गुरु राकेश भारद्वाज की वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कीम की पूर्ण गाइडलाईंस का पालन करते हुए सफलतापूर्वक स्थापित किया गया।

स्वामी विवेकानंद के विचारों से सशक्त युवा शक्ति

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय सेविका समिति, जोधपुर प्रांत के तरुणी विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बालिकाओं हेतु युवा चेतना कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के सुश्रुत सभागार में दिनांक 12 जनवरी 2026 को किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह घोष प्रमुख माननीया प्राची पाटिल ने विश्वविद्यालय के आंगिक आयुर्वेद, नेचुरोपैथी एवं योग, होम्योपैथी तथा बी.एससी. नर्सिंग महाविद्यालयों की 300 से अधिक छात्राओं को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर बालिकाओं को जागरुक, सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु स्वामी विवेकानंद की विचारधाराओं को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, योग एवं नेचुरोपैथी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा, निदेशक

डीटीएल डॉ. मनीषा गोयल, होम्योपैथी महाविद्यालय से डॉ. यशस्वी शाकद्वीपीय सहित विश्वविद्यालय की अनेक महिला संकाय सदस्य उपस्थित रहीं।

पंचकर्म विभाग में निशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी जांच शिविर आयोजित

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में स्नातकोत्तर पंचकर्म विभाग द्वारा निःशुल्क बी. एम.डी (बोन मिनरल डेंसिटी) जांच शिविर का आयोजन दिनांक 12 जनवरी 2026 को किया गया। अधीक्षक प्रो. (डॉ.) गोविंद प्रसाद गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि बीएमडी जांच से हड्डियों की कमजोरी का समय रहते पता लग जाता हैं। जिससे भविष्य में होने वाले फ्रैक्चर को रोका जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि नियमित जाँच, संतुलित आहार एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाकर हड्डियों को स्वस्थ रखा जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि कैल्शियम की कमी और निष्क्रिय जीवनशैली के कारण विशेषकर महिलाओं में हड्डियां कमजोर होती हैं।

इससे बचाव हेतु आयुर्वेदीय पथ्य आहार–विहार, प्रतिदिन 20 मिनट धूप सेवन तथा 30 मिनट ब्रिस्क वॉक करने की सलाह दी। डाबर कंपनी के सहयोग से आयोजित इस शिविर में ऑस्टियोपोरोसिस जांच, हड्डियों की मजबूती व घनत्व (डेंसिटी) की जांच सहित कुल 152 आमजन, संकाय सदस्यों एवं रोगियों ने निःशुल्क लाभ लिया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष क्रिया शारीर एवं मीडिया प्रभारी प्रो. दिनेश चंद शर्मा, पंचकर्म विभाग सहायक आचार्य डॉ. दिलीप कुमार व्यास, डॉ. अचलाराम कुमावत, डॉ. गौरीशंकर राजपुरोहित सहित समस्त पी.जी. अध्येता, इंटर्न एवं स्नातक छात्र उपस्थित रहे।

बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों हेतु इन्डक्शन प्रोग्राम सम्पन्न

विश्वविद्यालय में बीएससी आयर्वेद नर्सिंग प्रथम वर्ष 2025–26 बैच के विद्यर्थियों के लिए आयोजित सात दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम का दिनांक 13 जनवरी 2026 को समापन हुआ। कार्यक्रम कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। समारोह में आयुर्वेद संकाय अधिष्ठाता प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्य व परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, बी.एस.सी आयुर्वेद नर्सिंग के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार राय, प्रो. दिनेश चंद शर्मा, फार्मेसी निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी और योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा कॉलेज प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। प्रो. महेन्द्र शर्मा ने कहा कि बीएससी आयुर्वेद नर्सिंग पाठ्यक्रम सुरक्षित और समग्र देखभाल का महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जो मानव कल्याण में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में कुलगुरू द्वारा नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को उपरना पहनाकर एवं लेखनी भेंट कर शिष्योपनयन संस्कार संपन्न कराया गया। संचालन डॉ. मनीष कुमार यादव और डॉ. खुशबू कुमावत ने किया।

कुलगुरू ने किया 51 पौधों का रोपण

विश्वविद्यालय में दिनांक 14 जनवरी 2026 को मकर संक्राति के पावन अवसर पर परिसर सौन्दर्यीकरण एवं हरित परिसर के उदेश्य से द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की ओर से पौधारोपण

कार्यक्रम का अयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने 51 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कुलगुरू ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति और मानव का गहरा संबंध रहा है। मकर संक्रान्ति जैसे पर्व हमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने तथा उसके संरक्षण का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करते हैं। पौधारोपण कार्यक्रम में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्ट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, डीन फैकल्टी प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद पूर्विया, प्रो. दिनेशचंद शर्मा, सीएवआरडी निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, डॉ. निकिता पंवार तथा द्रव्यगुण विभाग के स्नातकोत्तर अध्येता भी उपस्थित रहे। सभी ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया।

होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के चिकित्सा विशेषज्ञों डॉ. वृशाली बराब्दे एवं डॉ. नरेन पटवा द्वारा दिनांक 15 जनवरी 2026 को सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय, जोधपुर में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में सभी आयु वर्ग के सर्दी–जुकाम, खांसी, गले में खराश, बुखार, एलर्जी, सिरदर्द, जोड़ों के दर्द, त्वचा रोग एवं पेट के रोगों के 44 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर की जांच कर मरीजों को उचित परामर्श दिया।

विश्वविद्यालय मे सेमी ऑनलाइन नाडी परीक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम शुरू

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर क्रिया शारीर विभाग द्वारा एक माह के सेमी– ऑनलाइन नाड़ी परीक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का उदघाटन दिनांक 16 जनवरी 2026 को को सम्पन्न हुआ। पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् प्रतिभागियों द्वारा आत्म परिचय दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि नाड़ी के पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक संसाधनों द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के अंर्तगत भारतीय संस्कृति में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में आयुर्वेद द्वारा रोगी परीक्षा एवं रोग निदान के अंर्तगत नाड़ी परीक्षण विषयक पाठ्यक्रम का मनुष्य के स्वास्थ्य संरक्षण एवं चिकित्सा में महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डीन फैकल्टी आयुर्वेद प्रो. महेंद्र शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, बालरोग विभागाध्यक्ष प्रो. हरीश कुमार सिंघल, पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. पूजा पारीक, डॉ. प्रिंयका कुमारी एवं क्रिया शारीर विभाग के समस्त पीजी छात्र तथा प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित

संजीवनी होम्योपैथी चिकित्सालय द्वारा 16 जनवरी 2026 को अनुबंध–वृद्धाश्रम में मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता एवं निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें उप चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. मनाली त्यागी सेवाएँ

दी। शिविर में खॉसी बुखार, गले मे समस्या आदि मौसमी बिमारियों, जोड़ों के दर्द. मधुमेह, चर्मरोग पेट से सम्बन्धित बीमारियॉ एवं उच्च रक्तचाप जैसे बीमारियों से ग्रसित 23 वृद्धजनों को निःशुल्क होम्योपैथिक ओषधियां देकर लाभान्वित किया गया।

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में नवनर्मित शालाक्य तन्त्र ओपीडी का शुभारम्भ

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में नवनिर्मित शालाक्य तन्त्र (नेत्र, कान, नाक एवं गला) ओपीडी एवं शालाक्य माइनर ओटी का शुभारम्भ कुलगुरू प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल के करकमलों द्वारा दिनांक 16 जनवरी 2026 को हुआ। कुलगुरू ने कहा कि शालाक्य तंत्र विभाग द्वारा नव निर्मित ओपीडी में नवीन सुविधाएँ जनसामान्य के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होंगी। चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता ने बताया कि एनसीआईएसएम की नवीन गाइडलाइन्स के अनुसार शालाक्य तंत्र के चिकित्सालय विभाग में नेत्र, कान, नाक एवं गले के रोगों के लिए नवीन ओ.पी.डी. का निर्माण करवाया गया है। विभागाध्यक्ष प्रो. राजबीर सिंह ने बताया कि इस ओपीडी में नेत्र व कान, नाक, गले से सम्बंधित ऊर्ध्वजत्रुगत विकारों के लिए निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, औषधि, क्रियाकल्प तथा विभिन्न सरकारी चिकित्सा योजनाओं के लाभ भी प्राप्त किये जा सकेंगे।

इस अवसर पर कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्राचार्य पी. जी.आई.ए. प्रो. चन्दन सिंह, उपाधीक्षक डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, डॉ. विष्णुदत्त शर्मा, प्रो. ज्ञान प्रकाश शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार राय, डॉ. ज्योति चारण, डॉ. निकिता पंवार, डॉ दिव्या, डॉ. गौरीशंकर, डॉ. सविता आदि संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर अध्येता तथा चिकित्सालय कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में भारत माता पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

कुलगुरू प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल की सद्प्रेरणा एवं सीमा जन कल्याण समिति के तत्त्वावधान में करवड स्थित आयुर्वेद विश्वविद्यालय परिसर में भारत माता पूजन कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 25 जनवरी 2026 को श्री बंशीलाल भाटी, अतिरिक्त महाधिवक्ता, राजस्थान सरकार के मुख्यातिथ्य में भारत माता का पूजन एवं वंदन किया गया। इसके पश्चात् मुख्य वक्ता श्री बंशीलाल भाटी ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायक उद्बोधन में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम एवं संवैधानिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता की रक्षा प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। विश्वविद्यालय के प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, संकाय के डीन प्रो. महेन्द्र शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजाराम अग्रवाल, क्रिया शारीर विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा एवं छात्रावास अधीक्षक डॉ. श्योराम शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन डॉ. हेमन्त राजपुरोहित स्वस्थवृत एवं धन्यवाद ज्ञापन चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविन्द प्रसाद गुप्ता द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय अब अपनी फार्मेसी में औषधियां बनाएगा और बेचेगा

विश्वविद्यालय अब अपनी फार्मेसी में आयुर्वेदिक औषधियां बनाने के साथ उसे बाजार में बेचेगा भी। इससे विश्वविद्यालय में आय के नए और स्थायी स्रोत विकसित होंगे और आमजन को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदीय औषधियां भी मिल सकेगी। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में इस संबंध में दिनांक 19 जनवरी 2026 को आयोजित एक बैठक में इस पर चर्चा की गयी। आगामी कुछ महीनों में विश्वविद्यालय इस नवाचार को लेकर कदम बढ़ाएगा। बैठक मे रसायनशाला के बिशेषज्ञ डॉ. त्रिलोक चंद, रसशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. राजाराम अग्रवाल, नागार्जुन रसायनशाला निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, डीटीएल निदेशक डॉ. मनीषा गोयल सहित विभागीय संकाय सदस्य डां चंद्रभान शर्मा, डॉ. संगीता इंदौरिया व डॉ. रविप्रताप सिंह उपस्थित रहे। प्रारंभिक चरण में चूर्ण, वटी, सीरप, अवलेह और तैल जैसी करीब एक दर्जन आयुर्वेदीय औषधियाँ के साथ–साथ कॉस्मेटिक और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पादों का निर्माण कर उनका विपणन किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक लाइसेसिंग और नवीनीकरण प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने तथा औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से अन्य ज़रूरी परीक्षण कराए जाएगें। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और शोध क्षमता को औद्योगिक स्तर पर उपयोग में लाने से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा।

पीजीआईए में पंचकोष सिद्धांत पर व्याख्यान

विश्वविद्यालय की विश्व आयुर्वेद परिषद इकाई द्वारा कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 21 जनवरी 2026 को किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता धन्वन्तरि राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय उज्जैन के मौलिक सिद्धांत विभाग के सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रामतीर्थ शर्मा रहे, जिन्होंने **पंचकोष सिद्धांत से भारतीय व्यक्तित्व के विकास** विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि पंचकोष सिद्धांत भारतीय जन परंपरा की एक सशक्त अवधारणा है जो व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के साथ–साथ समाज को भी सकारात्मक दिशा प्रदान करती है।

डॉ. रामतीर्थ ने पंचकोष सिद्धांत के अंतर्गत अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनंदमय कोष की व्याख्या करते हुए भारतीय संस्कृति में संतुलित एवं आनंदमय जीवन की अवधारणा को स्पष्ट किया। इस अवसर पर पीजीआईए के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्व आयुर्वेद परिषद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रो. देवेन्द्र सिंह चाहर ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डीन आयुर्वेद संकाय प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, प्रो. नीलिमा रेडी, प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, प्रो. हरीश कुमार सिंघल सहित अनेक संकाय सदस्य एवं अध्येता उपस्थित रहे।

होम्योपैथी स्वास्थ्य व चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, केकड़ी के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा गोद ग्राम योजना के अंतर्गत ग्राम अजगरा स्थित अटल सेवा केंद्र पर दिनांक 21 जनवरी 2026 को एक निःशुल्क होम्योपैथिक स्वास्थ्य जाँच एवं चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के 53 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों की स्वास्थ्य जाँच की गयी तथा उन्हें होम्योपैथिक चिकित्सा परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। शिविर में सर्दी–जुकाम, जोड़ों का दर्द, पाचन संबंधी रोग, त्वचा रोग, एनीमिया एवं अन्य सामान्य रोगों का उपचार किया गया। शिविर का संचालन डॉ. अनुश्री नागर, एसोसिएट प्रोफेसर, सामुदायिक चिकित्सा, डॉ. लकी चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं नर्सिंग स्टाफ श्री वीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारां किया गया।

बसन्त पंचमी पर मातृत्व स्वास्थ्य जागरुकता दिवस कार्यक्रम का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. गोविन्द सहाय शुक्ल के सानिध्य में पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में दिनांक 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया गया। कुलगुरू सहित प्राचार्य, संकाय सदस्यों एवं छात्र – छात्राओं ने मां सरस्वती का सामूहिक पूजन किया। स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग की डॉ. सविता सहित स्नातक अध्येताओं द्वारा सरस्वती वंदना का सस्वर गायन किया गया। मानव संसाधन विकास केन्द्र के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बसंत पंचमी की महत्ता तथा मां सरस्वती के वंदन का महत्त्व बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को सूर्य के उत्तरायण में जाने एवं आदान काल की शुरुआत के विषय में बताया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि यह दिवस विद्या के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हैरासमेण्ट, आईसीसी एवं स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग के संयुक्त संयोजन में मातृत्व स्वास्थ्य जागरुकता दिवस आयोजित किया गया। स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. ए, नीलिमा ने नारी शक्ति से सम्बंधित विस्तृत जानकारी दी। आईसीसी कमेटी मेंबर आर.एम.ओ. डॉ. निवेदिता ने मातृत्व स्वास्थ्य जागरुकता, स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग की डॉ. दिव्या शर्मा ने सर्वाइकल कैंसर के कारण उनके लक्षण विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। रस शास्त्र विभाग की डॉ. मनीषा गोयल एवं स्त्री रोग प्रसूति तंत्र विभाग की डॉ आशा के. पी. द्वारा गायन प्रतियोगिता को संचालित किया गया। प्रतियोगिता के अंत में विजेताओं को पीजीआईए प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम के अंत में डॉ. आशा के. पी. द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विश्वविद्यालय में मनाया गया गणतंत्र दिवस

विश्वविद्यालय में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में 26 जनवरी 2026 को आयोजित किया गया। समारोह में ध्वजारोहण के पश्चात् कुलगुरू ने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान के महत्त्व, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं देशभक्ति की भावना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान हमें समानता, न्याय और कर्त्तव्यबोध का मार्ग दिखाता है तथा राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की अहम भूमिका है। सम्बोधन में कुलगुरू ने विश्वविद्यालय परिवार से एकजुट होकर आयुष चिकित्सा, शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में जनमानस के लिए कार्य करने का आहवान किया। इस अवसर पर समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले दलपत सिंह डागा एवं जगदेव सिंह खालसा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उक्त के अतिरिक्त पीजीआईए से प्रो. ए. नीलिमा, डॉ. मनीषा गोयल, डॉ. सूरज चौधरी एवं श्रीमती प्रेम, यूसीएच, जोधपुर से डॉ. अंकिता आचार्य, डॉ. मोहन लाल चोपडा, मनोहर लाल, यूसीएच, केकड़ी से प्रो. पुनीत आर. शाह, यूसीयू, टोंक से डॉ. मोहम्मद इरशाद खान, प्रशासनिक खण्ड से श्री महेन्द्र कुमार खटोड एवं श्री कैलाश सोलकी को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलगुरू के साथ कुलसचिव अखिलेश कमार पिपल, पीजीआईए प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद गुप्ता, डीन आयुर्वेद प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा, यूसीएच, जोधपुर के प्राचार्य प्रो. गौरव नागर, बी.एससी. नर्सिंग प्राचार्य डॉ, दिनेश राय सहित विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य,

अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी सख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सौरभ अग्रवाल ने किया।

संजीवनी आयुर्वेद हॉस्पिटल की सेवाओं की गुणवत्ता पर मंथन

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर मासिक समीक्षा बैठक दिनांक 29 जनवरी 2026 को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने की। इस बैठक में चिकित्सालय अधीक्षक, चिकित्सक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य रोगियों को मिलने वाली आयुर्वेदिक उपचार सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अस्पताल से जुड़ी समस्याओं का समाधान तलाशना रहा। कुलगुरू ने कहा कि मरीज़ों को सुलभ, प्रभावी और समय पर उपचार मिलना प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली, उपलब्ध संसाधनों और रोगी सुविधाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. चन्दन सिंह, डीन आयुर्वेद प्रो महेन्द्र कुमार शर्मा, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठक का आयोजन

विश्वविद्यालय के कुलगुरू महोदय प्रो गोविंद सहाय शुक्ल की गरिमामयी उपस्थिति में में दिनांक 29 जनवरी 2026 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। आतरिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मानदंडों के अंतर्गत आवश्यक अभिलेखों, डेटा संकलन, विभागीय समन्वय एवं गुणवत्ता संवर्धन गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में आईक्यूएसी चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार शर्मा एवं सदस्य डॉ, राजाराम अग्रवाल, डॉ दिनेश शर्मा, डॉ. मनोज अदलखा तथा डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, डॉ. राजीव खन्ना आदि उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने NAAC दिशा–निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध एवं साक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए। प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. राकेश शर्मा द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों तथा वर्तमान स्थिति पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। कुलगुरू ने कहा कि आईक्यूएसी विश्वविद्यालय की गुणवत्ता का मूल आधार है और NAAC मूल्यांकन की दृष्टि से सभी विभागों को समन्वित प्रयास करते हुए संस्थागत उत्कृष्टता की दिशा में कार्य करना चाहिए तथा सभी विभागों से सम्बन्धित डेटा का नियमित ऑडिट करने, साप्ताहिक कार्ययोजना बनाने, पिछले सप्ताह के कार्यों का आंकलन कर विभिन्न कार्यों में आ रही बाधाओं के समाधान हेतु निर्देशित किया।

गोद ग्राम केलावा कलां में निःशुल्क योग, नशामुक्ति, स्वास्थ्य एवं साक्षरता जागरुकता

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद द्वारा गोद ग्राम केलावा कलां में दिनांक 30 जनवरी 2026 को निःशुल्क नशामुक्ति, योग, स्वास्थ्य एवं साक्षरता जागरुकता शिविर का

आयोजन किया गया। शिविर आयोजन में डॉ. प्रवीण प्रजापत, डॉ शहादत खान, सहायक नोडल अधिकारी गोद ग्राम डॉ. हेमन्त राजपुरोहित की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. प्रवीण प्रजापत ने नशामुक्ति विषय पर व्याख्यान देते हुए नशे के दुष्परिणामों एवं उससे बचाव के उपायों पर प्रकाश डाला।

डॉ. शहादत खान ने मधुमेह विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत कर इसकी रोकथाम, आहार–विहार एवं योग की भूमिका को रेखांकित किया। वहीं डॉ. हेमन्त राजपुरोहित ने साक्षरता एवं स्वास्थ्यरक्षण विषय पर व्याख्यान देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य के आपसी संबंध को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में पीजी अध्येता के रूप में डॉ. मोहित, डॉ. वैभव एव डॉ. करीम शेख ने सक्रिय सहभागिता निभाई। जबकि श्री श्यामलाल विश्नोई ने योग सहायक के रूप में योग अभ्यास एवं प्राणायाम का संचालन किया। शिविर में स्नातक अध्येता अमन गरवाल, अजय चौधरी, जितेन्द्र सिह एव पीयूष गोयल ने एन. एस.एस. वॉलोंटियर्स के रूप में भाग लेते हुए साक्षरता अभियान के अंत्तर्गत गांव का डेटा कलेक्ट किया तथा एवं ग्रामीणो को नाम आदि लिखने की प्रैक्टिस कराई।

विश्वविद्यालय में कांचनार व निर्गुण्डी के पौधों का रोपण

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल द्वारा 30 जनवरी 2026 को शहीदी दिक्स के अवसर पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर नव निर्मित पंचकर्म एक्सीलेंस सेंटर की चारदीवारी में द्रव्यगुण विज्ञान विभाग की ओर से वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलगुरू ने कांचनार एव निर्गुण्डी के 81 पौधों का रोपण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने एवं उनके संरक्षण का संदेश दिया।

होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ शिक्षक चिकित्सकों की टीम द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2026 को श्री शिवराम नत्थूजी टाक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, (पूँजला) जोधपुर में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 124 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथिक औषधियां देकर लाभान्वित किया गया। शिविर में मौसमी बीमारियों जुखाम, बुखार नाक से पानी आना, आंखों से पानी आना गले में दर्द, सिर में दर्द, कान में दर्द एव भूख न लगना, पेट में कीडे, पेट में दर्द एवं उल्टी दस्त, चर्म रोग, रक्त की कमी, पेट में कब्ज़ होना जैसी बीमारियों की जानकारी एवं दवाईयां देकर लाभान्वित किया गया।

विश्वविद्यालय द्वारा निःशुल्क योग, स्वास्थ्य एवं साक्षरता जागरुकता शिविर आयोजित

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद, जोधपुर द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2026 को गोद ग्राम सालवा कलां में निःशुल्क

योग, स्वास्थ्य एवं साक्षरता जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. अवधेश शांडिल्य, सहायक नोडल अधिकारी गोद ग्राम डॉ अमित गहलोत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर के दौरान विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। डॉ. शांडिल्य ने दिनचर्या, ऋतुचर्या, आहार–विहार एवं योग की भूमिका को रेखांकित किया। वहीं डॉ. गहलोत ने साक्षरता एवं स्वास्थ्य रक्षण विषय पर व्याख्यान देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य के आपसी संबंध को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में पीजी अध्येता के रूप में डॉ. कल्पेश मालवीय, डॉ. अनिता ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर में स्नातक अध्येता कौशल, कनिष्क ने एन. एस.एस. वॉलंटियर्स के रूप में भाग लेते हुए साक्षरता अभियान के अन्तर्गत गांव का डेटा कलेक्ट किया एवं ग्रामीणों को नाम आदि लिखने की प्रैक्टिस कराई।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय के होम्योपैथी महाविद्यालय के छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, के 2024 बैच के बी. एच.एम.एस. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत 68 छात्रों का एक दल होम्योपैथिक दवा निर्माण कंपनी बैक्सन ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का भ्रमण करने के लिए रुड़की, उत्तराखंड के लिए रवाना हुआ। यात्रा का मुख्य उद्देश्य होम्योपैथिक औषधियों के मानकीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण में उपयोग की जाने वाली तकनीकों और विधियों के बारे में ज्ञान अर्जन करना था। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली के नियमानुसार दवा निर्माण संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण फार्मेसी संकाय के अंतर्गत छात्रों को किताबी और सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ बड़े पैमाने पर उत्पादन, गुणवत्ता, परीक्षण व अनुसंधान में होने वाले नवाचारों को समझने के लिए इंडस्ट्रियल एक्सपोजर हेतु जरूरी है। ऐसे भ्रमण छात्रों के सम्पूर्ण विकास तथा महाविद्यालय एवं इंडस्ट्री के बीच के अन्तर को कम करने में सहायक होते है। भ्रमण के अन्तर्गत छात्रों ने दिनांक 02 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक होम्योपैथिक फार्मेसी संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव खन्ना, सहायक आचार्य डॉ. ऋषिकेश आचार्य और डॉ. चारुशीला के साथ के नेतृत्व में रुड़की स्थित बैक्सन होम्योपैथिक दवा निर्माण कम्पनी में औषध अनुसंधान सम्बंधित जानकारियों के साथ–साथ औषधि निर्माण की आधुनिक तकनीकों, गुणवत्ता मानकों और उत्पादन प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव लिया। इसके अतिरिक्त छात्रों ने पंतजलि योगपीठ का भी भ्रमण किया।

वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव आयुर्घोष–2026 आयोजित

दिनांक 3 से 8 फरवरी 2026 तक आयोजित विश्वविद्यालय परिसर स्थित संस्थाओं की वार्षिक खेल महोत्सव "आयुर्घोष–2026" का भव्य उद्घाटन कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में किया गया। अपने संबोधन में कुलपति ने जोर देकर कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का साधन हैं, बल्कि वे अनुशासन, टीम वर्क, नेतृत्व और आत्मविश्वास विकसित करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आयुर्वेद के छात्रों के लिए आवश्यक हैं।

विभिन्न संकायों के 300 से अधिक खिलाड़ियों ने 12 अलग–अलग खेल आयोजनों में भाग लिया। कार्यक्रम में

रस्साकशी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन और खो–खो जैसे खेलों में कई मुकाबले बड़े उत्साह के साथ आयोजित किए गए। इनका समापन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के पृथक्शः दिनांक 9–10 मार्च 2026 को आयोजन के साथ एक भव्य समारोह में हुआ।

मधुमेह जागरुकता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

दिनांक 5 फरवरी 2026 को मधुमेह जागरुकता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में संपन्न हुई। इस संगोष्ठी का आयोजन स्नातकोत्तर रोग निदान, कौमारभृत्य एवं कायचिकित्सा विभाग द्वारा किया गया, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से 300 से अधिक प्रतिभागियों, आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा के चिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र में प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता द्वारा स्वागत संबोधन के पश्चात् विशिष्ट अतिथि प्रो. (वैद्य) श्रीकृष्ण शर्मा खांडल ने आयुर्वेद में मधुमेह की अवधारणा एवं उसकी रोकथाम पर विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि एवं कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने मधुमेह को वर्तमान समय की गंभीर जीवनशैलीजन्य चुनौती बताते हुए आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से इसकी रोकथाम एवं प्रबंधन पर बल दिया। कार्यक्रम को तीन वैज्ञानिक सत्रों में विभाजित किया गया। समापन सत्र में प्रो. (डॉ.) हरीश कुमार सिंघल द्वारा संगोष्ठी का समग्र प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तथा समापन संबोधन विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल द्वारा दिया गया।

विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित

दिनांक 6 फरवरी 2026 को पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के क्रिया शरीर, मौलिक सिद्धांत और कौमारभृत्य (बालरोग) विभागों की विभागीय समीक्षा बैठक माननीय माननीय कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रो. ए. नीलिमा, संबंधित विभागों के प्रमुख फैकल्टी सदस्य और स्नातकोत्तर विद्यार्थी उपस्थित थे। विभागाध्यक्षों ने अकादमिक, अनुसंधान और प्रशासनिक गतिविधियों की संक्षिप्त समीक्षा और भविष्य की योजनाओं को पावरपॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कुलगुरू ने संस्थागत विकास के मुख्य स्तंभ के रूप में अकादमिक गुणवत्ता और अनुसंधान नवाचार पर जोर दिया और प्रयोगशाला विकास, विभागीय अवसंरचना सुदृढ़ीकरण और व्यवस्थित दस्तावेजीकरण पर महत्त्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया एवं नई शोध गतिविधियों की शुरुआत के लिए सुझाव भी दिए।

आयुर्वेदिक कॉस्मेटोलॉजी पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 6 फरवरी 2026 को कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता में रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग द्वारा आयुर्वेदिक कॉस्मेटोलॉजी पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रश्मि मनोज वेद, आयुर्वेदिक कॉस्मेटोलॉजिस्ट और निदेशक जीटा आयुर्वेद, पुणे (महाराष्ट्र) ने बताया कि आयुर्वेदिक कॉस्मेटोलॉजी बाहरी सुंदरता को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य सुरक्षित और लंबे समय तक चलने वाले परिणाम प्राप्त करने के लिए आंतरिक दोषों को संतुलित करना है।

उन्होंने विभिन्न आयुर्वेदिक कॉस्मेटिक उत्पादों जैसे साबुन,

हेयर मास्क, लिपस्टिक और सीरम पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजाराम अग्रवाल, डीटीएल निदेशक डॉ. मनीषा गोयल, रसायन शाला के निदेशक डॉ. विजयपाल त्यागी, संकाय सदस्य और स्नातकोत्तर विद्वानों ने भाग लिया। व्याख्यान का संचालन डॉ. युक्ता सिंह ने किया।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के स्वर्ण जयंती समारोह में कुलगुरू की सहभागिता

दिनांक 10 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के स्वर्ण जयंती समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और आयुष विभाग के स्वतंत्र प्रभार वाले केंद्रीय राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव तथा विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने अपनी गरिमामय उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में आयुष सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा और श्री सुबीर कुमार, मुख्य सचिव आयुष विभाग, राजस्थान सरकार भी उपस्थित रहे।

विश्व यूनानी दिवस पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

दिनांक 11 फरवरी 2026 को विश्व यूनानी दिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ यूनानी, टोंक द्वारा हमदर्द लैबोरेट्रीज इंडिया के संयोजन से मैनेजमेंट आफ किडनी डिसऑर्डर्स थ्रू एविडेंस बेस्ड यूनानी मेडिसिन विषय पर कृषि ऑडिटोरियम एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल, नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार शर्मा, डीन यूनानी फेकल्टी प्रो. मोहम्मद आज़म अंसारी सहित देशभर से डेलिगेट्स शामिल हुए। सेमिनार के मुख्य वक्ता के तौर पर प्रो. शब्बीर अहमद, आयुर्वेद एंड यूनानी तिब्बिया कॉलेज नई दिल्ली ने किडनी डिसऑर्डर्स पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इरशाद खान ने यूनानी दिवस के महत्त्व को बताते हुए इसके माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में यूनानी चिकित्सा की महत्त्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया।

गुणवत्ता शिक्षा और पारदर्शी परीक्षा पर केंद्रित रहा आयुर्वेद संकाय उपवेशन

दिनांक 12 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय में सात वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयुर्वेद संकाय के उपवेशन का आयोजन किया गया। इस महत्त्वपूर्ण उपवेशन के उद्घाटन समारोह में कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने उद्बोधन में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी आयुर्वेद महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने, पारदर्शी परीक्षा प्रणाली, छात्र–छात्राओं की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर बोर्ड ऑफ स्टडीज के गठन, आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों के पैनल के निर्धारण सहित शैक्षणिक सुधारों को उत्कृष्टता के साथ लागू करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक का आयोजन आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। उपवेशन में विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी आयुर्वेद महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्षों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान संपन्न हुई पिछली बैठक के बिंदुओं पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए वर्तमान एजेंडा पर सभी सदस्यों से विचार–विमर्श किया गया तथा नवीन विषयों पर विस्तृत मंथन हुआ। विश्वविद्यालय स्तर पर बोर्ड ऑफ स्टडीज का गठन किया गया।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2019 में आयोजित बैठक में शैक्षणिक संरचना, पाठ्यक्रम समन्वय एवं परीक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा हुई थी, जिनका संक्षेप में अवलोकन करते हुए

वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप आगे की दिशा तय की गई। उपवेशन के दौरान बाह्य एवं आंतरिक प्रख्यात विद्वानों के चयन पर सर्वसम्मति बनी। बाह्य प्रख्यात विद्वानों में ग्वालियर आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. महेश कुमार शर्मा, आयुर्वेद महाविद्यालय हरिद्वार से प्रो. उत्तम कुमार शर्मा तथा आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल से प्रो. अनिल कुमार शुक्ला के नामों पर सहमति व्यक्त की गई। वहीं आंतरिक प्रख्यात विद्वानों में डॉ. विष्णु गौतम एवं डॉ. श्योराम शर्मा के नामों पर भी सर्वसम्मति हुई। बैठक में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, प्रो. नीलिमा रेड्डी सहित सभी महाविद्यालय के प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग एवं जनरल क्लब एक्टिविटीज विषय पर व्याख्यान आयोजित

दिनांक 13 फरवरी 2026 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में स्वस्थवृत्त विभाग द्वारा मैनुस्क्रिप्ट राइटिंग एवं जनरल क्लब एक्टिविटीज विषय पर एक शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डी. वाई. पाटिल कॉलेज ऑफ आयुर्वेद एवं रिसर्च सेंटर, पुणे के पंचकर्म विभाग से प्रो. प्रनेश गायकवाड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शोध पत्र लेखन की प्रक्रिया, प्रकाशन की आवश्यकताओं, जर्नल चयन, प्लेगियेरिज़्म से बचाव तथा अकादमिक क्लब गतिविधियों के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

"नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" के तहत ऑफलाइन हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रिया शरीर विभाग, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद द्वारा आयोजित "नाड़ी परीक्षण प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम" के तहत ऑफलाइन हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 13 फरवरी 2026 को कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की गरिमामय उपस्थिति में, पूर्व कुलपति और प्रसिद्ध नाड़ी विशेषज्ञ वैद्य बनवारीलाल गौड़ ने नाड़ी परीक्षा के सूक्ष्म और गहन ज्ञान पर गहन व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि केवल आत्मविश्लेषणात्मक व्याख्या और निरंतर अभ्यास के माध्यम से ही नाड़ी परीक्षा में सच्ची महारत हासिल की जा सकती है। मुंबई, महाराष्ट्र के नाड़ीगुरू वैद्य संजय छाजेड़ ने नाड़ी परीक्षा के निदानात्मक महत्त्व की व्याख्या की और प्रतिभागियों के लिए रोगियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। उन्होंने कहा कि नाड़ी परीक्षा एक प्राचीन आयुर्वेदिक निदान पद्धति है, जो निरंतर अभ्यास और समकालीन प्रासंगिकता के माध्यम से चिकित्सकों को नैदानिक निदान में अत्यधिक कुशल बना सकती है। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शुक्ल ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही आधुनिक तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग कर क्लासिकल आयुर्वेदिक संदर्भों पर आधारित एक नाड़ी परीक्षण उपकरण विकसित करेगा। उन्होंने वैद्य बनवारी लाल गौड़ को एक स्मृति चिन्ह और प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया एवं सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कोर्स के नोडल अधिकारी प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा ने बताया कि पूरे देश से 31 प्रतिभागी इस एक महीने के अर्ध–ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, प्रो. गोविंद गुप्ता, प्रो. देवेंद्र सिंह चाहर, प्रो. ऋतु कपूर, डॉ. मनोज कुमार अदलखा, प्रो. हरीश कुमार सिंघल साथ ही क्रिया शरीर विभाग और अन्य विभागों के फैकल्टी मेंबर और विद्वान उपस्थित थे।

पशु मेले में लगा निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर

दिनांक 14 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा ग्राम भवाद में प्रतिवर्ष लगने वाले सात दिवसीय पशु मेला में आमजन को होम्योपैथी चिकित्सा सेवा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में डॉ. नरेन पटवा एवं डॉ. राजवीर सिंह राठौड ने भवाद एवं उसके आस–पास के ग्राम विनायकपुरा, उजलिया, घड़ाव, झीपासनी एवं करवड़ से मेला देखने आये हुये पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए खाँसी, जुखाम, बुखार, गले एवं कान में दर्द, चर्म रोग जैसी अन्य रोगों की जानकारी एवं दवाईयां देकर लाभान्वित किया।

योग व प्राकृतिक चिकित्सा से मोटापा निवारण के लिए सात दिवसीय आवासीय शिविर का शुभारंभ

दिनांक 18 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज में केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के सहयोग से सात दिवसीय निःशुल्क मोटापा निवारण आवासीय चिकित्सा शिविर का आयोजन संजीवनी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सालय में शुरु किया गया, जो 24 फरवरी तक जारी रहा। इसका शुभारंभ कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने किया। शिविर के दौरान रोगियों को योग, संतुलित आहार एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से मोटापे के निवारण के लिए समग्र एवं वैज्ञानिक उपचार प्रदान किया गया। शिविर में मोटापे से ग्रसित 30 रोगियों का उपचार अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया गया। इनके लिए समुचित आवास, उपचार एवं भोजन को व्यवस्था चिकित्सालय स्तर पर की गई।

विश्वविद्यालय में विद्धकर्म कार्यशाला आयोजित

दिनांक 23 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय में विद्धकर्म विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं हैड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्धकर्म का सफल आयोजन किया गया। इसका आयोजिन मानव संसाधन विकास केंद्र एवं स्नातकोत्तर शल्य तंत्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल की अध्यक्षता एवं कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो बी.एस. जैतावत के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर पुणे के प्रख्यात विद्धकर्म विशेषज्ञ डॉ. अमोल उत्तम बंसोड़े मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे।

कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आयुर्वेद की पारंपरिक विधाओं का वैज्ञानिक पुनःस्थापन समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विद्धकर्म जैसी प्राचीन एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धति को शोध एवं प्रशिक्षण के माध्यम से जन–जन तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलगुरू प्रो. जैतावत ने कहा कि आयुर्वेद एवं कृषि विश्वविद्यालय साथ मिलकर के आमजन की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगे। प्रशिक्षक डॉ. अमोल उत्तम बंसोड़े ने अपने प्रशिक्षण में विद्धकर्म की मूल अवधारणा, शास्त्रीय संदर्भ, प्रक्रिया–विधि एवं वैज्ञानिक आधार पर प्रकाश डाला।

उन्होंने रोगी चयन, प्रतिषेध एवं सुरक्षा मानकों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा, यदि विद्धकर्म को शास्त्रोक विधि एवं उचित बिंदु चयन के साथ किया जाए तो यह अनेक जटिल एवं दीर्घकालिक रोगों में अत्यंत प्रभावी सिद्ध होती है। उन्होंने बताया कि यह पद्धति विशेष रूप से जानु संधिशूल, अंस शूल, अवबाहुक (फ्रोज़न शोल्डर), गृध्रसी (सायटिका), कटिशूल (कमर दर्द) एवं अस्थि एवं स्नायु संबंधी समस्याओं में लाभकारी है। साथ ही, उन्होंने राइनाइटिस, बांझपन, पीसीओडी एवं ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकारों में भी इसके संभावित उपयोगों पर प्रकाश डाला।

प्रो. राजाराम अग्रवाल बने यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्राचार्य

दिनांक 24 फरवरी को आयुर्वेद विश्वविद्यालम में एक महत्त्वपूर्ण प्रशासनिक नियुक्ति के तहत कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के विभागाध्यक्ष एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजाराम अग्रवाल को आंगिक यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग का प्राचार्य नियुक्त किया। जारी आदेशानुसार उन्होंने प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण किया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने प्रो. आग्रवाल को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग नई उपलब्धियों को प्राप्त करेगा। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि नर्सिंग शिक्षा स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ है और उनका प्रयास रहेगा कि कॉलेज को शैक्षणिक अनुशासन, अनुसंधान तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण के क्षेत्र में नई ऊवाइयों तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि आधुनिक नर्सिंग शिक्षा को आयुर्वेदिक सिद्धांतों एवं स्वास्थ्य दृष्टिकोण से जोड़ते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण संस्कारित एवं सेवा भाव से युक्त पेशेवर के रूप में तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी संकाय सदस्यों एवं अधिकारियों ने भी उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी के छात्रों ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण

दिनांक 25 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथिक, जोधपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के द्वारा तृतीय वर्ष के छात्रों को डॉ. नरेन पटवा एवं डॉ. राकेश कुमार मीना द्वारा एक दिवसीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बालसमंद जोधपुर में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में यह भ्रमण करवाना अनिवार्य है। इस भ्रमण में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी डॉ. नेहा चौधरी, डॉ. काजल वर्मा एवं रेणुका मेघवाल ने बच्चों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण कब लगाया जाता है और उसके क्या फायदे हैं उनके के बारे में बताया और गर्भनिरोधक दवाओं के बारे में बताया और बच्चों और स्त्रियों में होने वाले रोगों के बारे में एवं मौसमी बीमारियां होने पर कौन–कौन सी दवाईयां दी जाती है उनके बारे में बच्चों को जानकारी दी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर होने वाली सभी जांचों के बारे में जानकारी दी।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 आयोजित

दिनांक 27 फरवरी 2026 को गवर्नमेंट कॉलेज, जोधपुर में **विकसित भारत की राह का नेतृत्व करें** थीम के तहत विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 आयोजित की गयी। चर्चा का विषय था आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक, जिसमें युवाओं को संविधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया गया। कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल भी समारोह में उपस्थित हुए और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र

वितरित किए। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में स्किन डिजीज मैनेजमेंट पर कार्यशाला संपन्न

दिनांक 27 फरवरी 2026 को महाविद्यालय पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर अगदतंत्र विभाग द्वारा स्किन डिज़ीज़ मैनेजमेंट विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में देशभर से 500 से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थी, शोधार्थी एवं आयुर्वेद चिकित्सक सहभागी बने। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के परिवेश में प्रदूषण, मानसिक तनाव और अनियमित जीवनचर्या के कारण त्वचा रोगों की जटिलता बढ़ी है। आयुर्वेद में वर्णित समग्र चिकित्सा सिद्धांत दोष संतुलन, आहार–विहार सुधार और शोधन चिकित्सा–इनसे रोगों के स्थायी समाधान प्रदान करते हैं। वेलिडिक्टरी सेशन में भी कुलगुरू ने राष्ट्रीय सेमिनार के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के अकादमिक मंच शोध, अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि त्वचा रोगों के क्षेत्र में आयुर्वेद की अपार संभावनाएं हैं। हमें शास्त्रीय सिद्धांतों को आधुनिक शोध पद्धतियों के साथ जोड़कर प्रभावी उपचार मॉडल विकसित करने की आवश्यकता है। यह कार्यशाला उसी दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल है। इस मौके पर दो वैज्ञानिक सत्रों के अन्तर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, केस डिस्कशन एवं इंटरैक्टिव चर्चा का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय सेमिनार की ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी प्रो. रितु कपूर ने बताया कि इस सेमिनार में देशभर से 500 से अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं चिकित्सकों ने भाग लिया।

पुष्य नक्षत्र योग में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर कौमारभृत्य विभाग द्वारा संचालित स्वर्णप्राशन कार्यक्रम 28 फरवरी 2026 को पुष्य नक्षत्र योग में आयोजित हुआ। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने बताया कि एम्स जोधपुर की आयुष ओपीडी में, जालोरी गेट के निकट शनिश्चर थान, सम्राट अशोक उद्यान के सामने भवानी आदर्श विद्या मंदिर, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित लवकुश गृह–नवजीवन संस्थान, बाल बसेरा सेवा संस्थान, मगरा पूंजला स्थित राजकीय किशोर बालगृह, विश्वविद्यालय आयुर्वेद चिकित्सालय, करवड, गोद–ग्राम घड़ाव के राजकीय विद्यालय, विक्टोरियन किड्स स्कूल एवं राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर–7, राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल मोकलावास, ज्ञानदिशा स्कूल बालोतरा में स्वर्णप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय में आंवले के पौधों का रोपण

दिनांक 28 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में आंवला एकादशी के अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल के सानिध्य में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में औषधीय एवं पर्यावरणीय महत्त्व को ध्यान में रखते हुए 11 आंवले के पौधों का रोपण किया गया।

कुलगुरू ने अपने

संबोधन में कहा कि आंवला एकादशी का विशेष महत्त्व है तथा आंवला आयुर्वेद में अत्यंत महत्त्वपूर्ण औषधीय वृक्ष माना गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, औषधीय पौधों के संवर्धन एवं स्वच्छ परिसर के निर्माण हेतु सभी को नियमित रूप से पौधारोपण एवं संरक्षण का संकल्प लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो चन्दन सिन्ह डॉ. विजयपाल त्यागी, डॉ. मनोज अदलखा एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने पौधों की देखभाल एवं हरित परिसर निर्माण का संकल्प लिया।

विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट साक्षात्कार का आयोजन

दिनांक 28 फरवरी 2026 को विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल की ओर से जोधपुर की प्राइवेट फर्म में 12 पंचकर्म टेक्नीशियनों की भर्ती के लिए विद्यार्थियों हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ–साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि भविष्य में विश्वविद्यालय लगातार विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों को अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास करता रहेगा। इस अवसर पर प्लेसमेंट सेल की सदस्य सचिव डॉ. मनीषा गोयल ने बताया कि जोधपुर स्थित एक प्राइवेट फर्म ने 12 पंचकर्म टेक्नीशियनों की आवश्यकता सेल के समक्ष दर्शाई थी। इसी के संबंध में प्लेसमेंट सेल ने विश्वविद्यालय से पंचकर्म टेक्नीशियन की पात्रता प्राप्त अभ्यर्थियों हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया। साक्षात्कार के पश्चात् प्राइवेट फर्म को चयनित आठ अभ्यर्थी उपलब्ध करवाए गए।

प्रो.ए.नीलिमा संजीवनी आयुर्वेद हॉस्पिटल की अधीक्षक नियुक्त

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल द्वारा विश्वविद्यालय के स्त्री रोग व प्रसूति तंत्र विभाग की विभागाध्यक्ष एवं पोस्ट ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद की उप प्राचार्य प्रो. ए. नीलिमा को संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय, जोधपुर का नया अधीक्षक नियुक्त किया गया। उन्होंने चिकित्सालय अधीक्षक का कार्यभार दिनांक 23 फरवरी 2026 को ग्रहण किया। कुलगुरू ने प्रो. नीलिमा को शुभकामनाएं देते हुए यह विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में चिकित्सालय नई उपलब्धियां प्राप्त करेगा। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष व अधिकारियों व कर्मचारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही प्रो. नीलिमा ने चिकित्सा व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने की योजना सहित चिकित्सालय का निरीक्षण कर महिलाओं को व्याख्यान देते हुए भविष्य में होने वाली बीमारी के बचाव व आयुर्वेद उपचार से सफल चिकित्सा करने की सलाह दी।

जोधपुर में संपन्न 39वें अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन में कुलगुरू रहे विशिष्ट अतिथि

गीता धाम ट्रस्ट के तत्त्वावधान में सोमवार को जोधपुर में 39वां अंतरराष्ट्रीय गीता सम्मेलन श्रद्धा एवं गरिमा के साथ 1 मार्च से 4 मार्च तक आयोजित हुआ। यह आयोजन परम पूज्य 1008 स्वामी हरिहर जी महाराज की 128वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत सत्कार पश्चात श्री रमन तोगुनाटा, अध्यक्ष, गीता धाम ट्रस्ट के स्वागत उद्बोधन से हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ला ने उद्घाटन संबोधन में 'होलिस्टिक हेल्थ (सर्वांगीण स्वास्थ्य) की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आयुर्वेद, अध्यात्म और आधुनिक जीवनशैली के समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जीवनशैली जनित रोगों की बढ़ती चुनौती के बीच आयुर्वेद आधारित समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण ही स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है। कुलगुरू ने यह भी उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय स्तर पर पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शोध पद्धति के एकीकरण से समाज को व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक स्वास्थ्य मॉडल उपलब्ध कराया जा सकता है। सम्मेलन में प्रो. (डॉ.) एन जी अवस्थी ने स्वास्थ्य के शैक्षणिक एवं शोधपरक

आयामों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी गोविन्ददेव गिरी जी महाराज ने अपने प्रवचनों में गीता के सिद्धांतों को वर्तमान जीवन से जोड़ते हुए मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का महत्व बताया। श्री शिव प्रसाद जी एवं स्वामी गीता किरन ने भी विषय के विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित वक्तव्य दिए।

विश्वविद्यालय में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित

विश्वविद्यालय में होली स्नेह मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में दिनांक 3 मार्च 2026 को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल के सानिध्य में विश्वविद्यालय परिवार ने पारंपरिक उल्लास के साथ भागीदारी निभाई। इस अवसर पर शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों ने उत्साहपूर्ण सहभागिता करते हुए एक–दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पारंपरिक गीतों एवं सामूहिक मिलन ने कार्यक्रम को पारिवारिक स्वरूप प्रदान किया।

कुलगुरू महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आयोजन संस्थान में आपसी समन्वय, सकारात्मक ऊर्जा और कार्यसंस्कृति को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को रंगोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए समर्पण और सहयोग की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक, चिकित्सक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही उनके परिजनों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

विश्वविद्यालय की पहलः बुजुर्गों की सेवा अब रोजगार का माध्यम

विश्वविद्यालय आगामी सत्र से वृद्धावस्था देखभाल पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है। तीन महीने की अवधि वाले इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में दसवीं पास युवा भी प्रवेश ले सकेंगे। इसका उद्देश्य ऐसे युवाओं को कौशल प्रदान करना है, जो बेरोजगार हैं और बुजुर्गों की देखभाल के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश रहे हैं। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को बुजुर्गों की दैनिक देखभाल, उनकी शारीरिक व मानसिक ज़रूरतों की समझ और सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें ब्लड प्रेशर, शुगर और तापमान मापने की तकनीक, कब्ज़ जैसी सामान्य समस्याओं में आयुर्वेदिक औषधियों का उपयोग, आयु जनित बीमारियों के लक्षण पहचानना और प्रारंभिक स्तर पर सहायता प्रदान करने के तरीके सिखाए जाएंगे।

नेशनल डेंटिस्ट डे पर विशेष कार्यशाला आयोजित

दिनांक 6 मार्च 2026 को नेशनल डेंटिस्ट डे के अवसर पर मुख एवं दंत स्वास्थ्य को लेकर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र (सीएचआरडी) तथा स्नातकोत्तर शालाक्य तंत्र विभाग के संयुक्त सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें आयुर्वेद के माध्यम से दंत रोगों की रोकथाम और उपचार के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। सीएचआरडी के निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए दंत स्वास्थ्य के महत्त्व

और इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने कहा कि आज की आधुनिक जीवनशैली में दंत समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं, ऐसे में आयुर्वेदीय सिद्धांत और पारंपरिक उपचार पद्धतियां दंत रोगों की रोकथाम और उपचार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। शालाक्य तंत्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ज्योति चारण ने मसूड़ों की सूजन (जिंजिवाइटिस) में आयुर्वेद की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि आयुर्वेद में कई औषधीय पौधों और उपचार पद्धतियों के माध्यम से मसूड़ों की सूजन को नियंत्रित किया जा सकता है।

बाजार में भी मिल सकेंगी विश्वविद्यालय की नागार्जुन रसायनशाला की दवाइयां

विश्वविद्यालय की नागार्जुन रसायनसाला में बनी दवाईयां अब आने वाले समय में प्रदेश के सरकारी हॉस्पिटलों से लेकर बाजार के स्टोर पर भी मिल सकेगी। इसको लेकर कुलगुरू प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल की ओर से पहल की गई है। उन्होंने बताया कि औषधियों की मांग दिनों दिन बढ़ रही है। ऐसे में अब विश्वविद्यालय में औषधियों के निर्माण पर काम किया जा रहा है। वर्तमान में रसायनशाला में निर्मित औषधियों की विश्वविद्यालय में स्थापित अत्याधुनिक ड्रग टेस्टिंग लेबोरेट्री में जांच की जा रही है। ऐसे में आने वाले समय में यहां की बनी गुणवत्तापूर्ण औषधियों को लोग बाजार से भी खरीद सकेंगे।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, चौपासनी में होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ होम्योपैथी, जोधपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा दिनांक 7 मार्च 2026 को महात्मा गांधी विद्यालय, चौपासनी हाऊसिंग बोर्ड, जोधपुर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए निःशुल्क होम्योपैथी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. राकेश कुमार मीना व डॉ. हर्षित चौधरी ने सेवाएँ दी। इस शिविर में कक्षा 1 से 4 तक के 43 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को निःशुल्क होम्योपैथी औषधियां देकर लाभ पहुंचाया गया।

विश्वविद्यालय में आयुर्घोष–26 आयोजितः सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा सभागार

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव आयुर्घोष–2026 9 एवं 10 मार्च 2026 को सुश्रुत सभागार में उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक समिति की अध्यक्षा डॉ. रश्मि शर्मा ने महोत्सव की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि कुलगुरू प्रो (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहने की प्रेरणा दी। दिनभर चली प्रतियोगिताओं में समूह और एकल गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाट्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता देखने को मिली, वहीं योग के माध्यम से प्रस्तुत हनुमान चालीसा विशेष आकर्षण रही।

आयुर्वेद से कैंसर प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद में अगद तंत्र विभाग द्वारा कैंसर मैनेजमेंट इन आयुर्वेद मोडालिटीज विषय पर 9 मार्च 2026 को प्रो. अखिलेश भार्गव, विभागाध्यक्ष शल्य तंत्र एवं प्रभारी, आयुर्वेद कैंसर यूनिट, शासकीय अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय, इंदौर का एक महत्त्वपूर्ण अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। अपने व्याख्यान में प्रो. भार्गव ने आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से कैंसर प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि

आयुर्वेद में वर्णित औषधीय उपचार, पंचकर्म, आहार–विहार तथा जीवनशैली में सुधार के माध्यम से कैंसर रोगियों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

विश्वविद्यालय के 24वें स्थापना दिवस पर गूंजे वेद मंत्रः आयुर्घोष–26 का समापन

विश्वविद्यालय का 24वां स्थापना दिवस 10 मार्च 2026 को हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में काजरी के निदेशक डॉ. सुरेश पाल सिंह तंवर उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार, यज्ञ–हवन, वृक्षारोपण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पुरस्कार वितरण सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही विश्वविद्यालय में शास्त्रीय मराठी भाषा साहित्य अध्ययन केंद्र की स्थापना की घोषणा भी की गई। स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ प्रशासनिक भवन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ एवं हवन के साथ हुआ। वैदिक मंत्रों की गूंज से परिसर का वातावरण आध्यात्मिक और पवित्र हो उठा। हवन के उपरांत विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कुलगुरू और मुख्य अतिथि ने मिलकर 51 अर्जुन के औषधीय पौधों का रोपण किया। दोपहर में सुश्रुत सभागार में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पारितोषिक वितरण समारोह के दौरान मराठा अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया गया और मराठा इतिहास पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। इसी अवसर पर विश्वविद्यालय में शास्त्रीय मराठी भाषा साहित्य अध्ययन केंद्र की स्थापना की भी घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य मराठी भाषा, साहित्य और इतिहास के अध्ययन अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसी अवसर पर आयुर्घोष–2026 का समापन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसमें छात्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता ने आयुर्घोष–2026 खेलकूद प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके पश्चात् विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उपविजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव अखिलेश कुमार पिपल, प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह, डीन आयुर्वेद प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा सहित सभी संकायों के प्राचार्य, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में ट्रॉमा केयर कार्यशाला का आयोजन

विश्वविद्यालय के पीजीआईए सेमिनार हॉल में दिनांक 10 मार्च 2026 को एक दिवसीय ट्रॉमा केयर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला लाइफलाइन फाउंडेशन, वडोदरा तथा विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित हुई, जिसमें आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ, दिल्ली तथा एचडीएफसी बैंक का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आयुष चिकित्सक को बेसिक लाइफ सपोर्ट, प्राथमिक चिकित्सा तथा ट्रॉमा मैनेजमेंट का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य है, ताकि आपदा एवं संकट की घड़ी में वे समाज की प्रभावी सेवा कर सकें।

मानव संसाधन विकास केंद्र के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आयुष चिकित्सकों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी रूप से कार्य करने हेतु जीवनरक्षक प्राथमिक चिकित्सा कौशल में दक्ष बनाना था, जिससे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ एवं सक्षम बनाया जा सके। कार्यशाला के विशेषज्ञों के रूप में व्यास मेडिकल कॉलेज के लैप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन डॉ. यश

परिहार एवं व्यास मेडिसिटी के एनेस्थीसिया विभाग की सीनियर रेजिडेंट डॉ. पूजा पाटिल द्वारा जीवनरक्षक तकनीकों, प्राथमिक चिकित्सा एवं ट्रॉमा मैनेजमेंट पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में लाइफ लाइन फाउंडेशन से प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रुचा शिरोडकर एवं मैत्रेयी शाह तथा मानव संसाधन विकास केंद्र कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमन्त मेनारिया, डॉ. हेमन्त राजपुरोहित, डॉ. अंशुल चाहर एवं डॉ. राजीव खन्ना का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनूषा चौहान ने किया।

कुलगुरू ने की जोधपुर महाराजा गजसिंह से शिष्टाचार भेंट

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने उम्मेद भवन पैलेस में दिनांक 11 मार्च 2026 को महाराजा गजसिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलगुरू ने श्री गज सिंह को विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक, चिकित्सकीय, शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय आयुर्वेद शिक्षा के साथ–साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कुलगुरू ने विश्वविद्यालय द्वारा समय–समय पर आयोजित किए जाने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविरों, जनजागरुकता कार्यक्रमों तथा जनहितकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य आयुष चिकित्सा पद्धति को आमजन तक अधिक प्रभावी रूप से पहुंचाना है।

राष्ट्रीय सेमिनार प्लास्टिकॉन–2026 व हैंड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर रचना शारीर विभाग द्वारा प्लास्टिकॉन–2026 दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार एवं हँड्स–ऑन प्रशिक्षण कार्यशाला 13–14 मार्च 2026 को आयोजित हुई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि चिकित्सा शिक्षा में नई तकनीकों का समावेश समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में आधुनिक तकनीकों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। प्लास्टिनेशन तकनीक शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन को अधिक प्रभावी और सुलभ बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा इससे विद्यार्थियों को लंबे समय तक संरक्षित अंगों के माध्यम से अध्ययन का बेहतर अवसर मिलता है। कार्यशाला में प्रख्यात विशेषज्ञ डॉ. हरिकृष्णन पीआर, डॉ. मिनी मोल, डॉ. अल्फांसो एवं डॉ. विष्णु कुमार रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को प्लास्टिनेशन तकनीक की सैद्धांतिक जानकारी के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। विभागाध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि प्लास्टिनेशन मानव अंगों को संरक्षित रखने की अत्याधुनिक तकनीक है, जिसके माध्यम से शरीर के अंगों को लंबे समय तक सुरक्षित रखकर अध्ययन एवं शिक्षण में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो राजस्थान के विभिन्न आयुर्वेदिक महाविद्यालयों से आए थे। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने किया। कार्यक्रम में विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्योराम शर्मा, असिस्टेण्ट प्रोफेसर डॉ. अमित गहलोत, डॉ. अभिषेक

दाधीच सहित समस्त विभागीय पीजी स्कॉलर्स उपस्थित रहे।

फार्माकोविजिलेंस व भ्रामक विज्ञापनों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

विश्वविद्यालय के पेरिफेरल फार्मेकोविजिलेंस सेंटर एवं पीजी विभाग, द्रव्यगुण के संयुक्त तत्त्वावधान में आयुष औषधियों में फार्माकोविजिलेंस एवं भ्रामक विज्ञापन विषय पर दिनांक 14 मार्च 2026 को एक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आयुष औषधियों के सुरक्षित उपयोग, प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रियाओं की रिपोर्टिंग तथा भ्रामक विज्ञापनों के प्रति जागरुकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलगुरू प्रो. (डॉ.) गोविंद सहाय शुक्ल ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली में औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा व भ्रामक विज्ञापनों पर नियंत्रण के लिए फार्माकोविजिलेंस अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में पेरिफेरल फार्माकोविजिलेंस सेंटर के समन्वयक एवं पीजी विभाग, द्रव्यगुण के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनोज अदलखा ने फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम की गतिविधियों एवं विश्वविद्यालय में वर्ष 2018 से संचालित केंद्र की उपलब्धियों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा नियमित रूप से एडीआर रिपोर्टिंग एवं भ्रामक विज्ञापनों की जानकारी संबंधित प्राधिकरणों को भेजी जाती है। कार्यक्रम के प्रथम वैज्ञानिक सत्र में प्रो. (डॉ.) सुदीप्त रथ ने फार्माकोविजिलेंस के महत्त्व एवं औषधियों की सुरक्षा निगरानी पर विस्तृत व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. उमेश शर्मा ने आयुष औषधियों के सुरक्षित व तर्कसंगत उपयोग तथा भ्रामक विज्ञापनों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला।

आयुर्वेद चिकित्सा शिविर आयोजित

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा मधुमेह जागरुकता के तहत दिनांक 16 मार्च 2026 को करवड़ में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञों की टीम ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं औषधियां प्रदान कीं।

शिविर में कुल 68 मरीजों की जांच कर उन्हें आयुर्वेदिक उपचार व स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। शिविर में डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. शहादत खान, डॉ. सविता विश्नोई तथा डॉ. सूरज चौधरी सहित पीजी स्कॉलर्स ने सेवाएं दीं।

चिकित्सा शिविर में 172 रोगी लाभान्वित

संजीवनी आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा मधुमेह जागरुकता अभियान के तहत बावड़ी तहसील के बिराई ग्राम में दिनांक 17 मार्च 2026 को एक निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें कुल 172 रोगियों का पंजीकरण कर उनकी स्वास्थ्य

जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक उपचार एवं निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में विशेषज्ञों डॉ. भानुप्रिया चौधरी, डॉ. रामेश्वर डूडी, डॉ. सूरज चौधरी, डॉ. सविता बिश्नोई ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह आयोजित

विश्वविद्यालय का नवम दीक्षांत समारोह दिनांक 20 मार्च 2026 को माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे की गरिमामय अध्यक्षीय उपस्थिति में धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत केवल उपाधि प्रदान करने का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के नवजीवन की शुरुआत का महत्त्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि यह वह समय होता है जब विद्यार्थी अर्जित ज्ञान को समाज और राष्ट्र के उत्थान में उपयोग करने के लिए सन्नद्ध होते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत आत्मावलोकन का भी अवसर है, जहां विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को व्यवहार में उतारने के लिए संकल्पित होते हैं। उन्होंने आयुर्वेद पंचतत्व–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश–तथा वात, पित्त और कफ के संतुलन पर आधारित समग्र स्वास्थ्य प्रणाली है। आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि शरीर, मन, बुद्धि व आत्मा के संतुलन से सम्पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान करने वाला जीवन दर्शन है।

उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सेवाभाव को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाएं और नर सेवा ही नारायण सेवा के सिद्धांत को अपनाते हुए समाज के स्वास्थ्य संवर्धन में योगदान दें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे शिक्षण, अनुसंधान एवं सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आयुर्वेद के पारम्परिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रमाण आधारित अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक स्तर पर आयुष पद्धतियों के प्रसार पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं उपाधियां प्रदान कीं। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय के कर कमलों से विश्वविद्यालय की ड्रग टेस्टिंग लेबोरेट्री का लोकार्पण भी किया गया।

दीक्षान्त समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा के पुनर्जागरण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि आज का समय ऐसा है, जब पूरा विश्व भारत के ज्ञान, विज्ञान और जीवन–दर्शन की ओर आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस उपलब्धि के पीछे उनके परिवारजनों का त्याग और परिश्रम निहित है। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं आयुष मन्त्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन और शाश्वत ज्ञान परंपरा का हिस्सा है, जो जीवन को सार्थकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद, योग, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों को व्यापक स्वीकार्यता मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पारंपरिक चिकित्सा का वैश्विक केंद्र बन रहा है। संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि समग्र स्वास्थ्य का सशक्त माध्यम है। यह तन, मन और आत्मा के संतुलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान आयुष हब के रूप में उभर रहा है और जोधपुर इस दिशा में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। इस अवसर पर स्वामी योग अुनसन्धान केन्द्र, बेंगलूरु के अध्यक्ष श्री एचआर नागेन्द्र ने विद्यार्थियों को दीक्षान्त भाषण प्रदान किया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने स्वागत भाषण दिया और कुलसचिव श्री अखिलेश कुमार पिपल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल एवं विद्या परिषद के सदस्यों सहित अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, जोधपुर स्थित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू, विभिन्न प्रमुख संस्थानों के निदेशक और आयुर्वेद विश्वविद्यालय की विभिन्न आंगिक संस्थाओं के शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

आयुर्वेद महाविद्यालय उदयपुर में परीक्षाओं का कुलगुरू ने किया औचक निरीक्षण

कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल दिनांक 23 मार्च 2026 को मदन मोहन मालवीय राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में आयोजित एक महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में स्नातक स्तर की कक्षाओं, कक्षा कक्षों एवं राजकीय आवास के नवीन भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के बाद कुलगुरू ने महाविद्यालय में चल रही विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर की परीक्षाओं का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने परीक्षा कक्षों का दौरा कर परीक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्र वितरण, उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षा और अनुशासन की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र के प्रभारी एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि परीक्षाएँ निष्पक्षता, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न कराई जाएँ। कुलगुरू ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें ईमानदारी से अध्ययन करने और आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में आयुष स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन

विश्वविद्यालय में चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना के सहयोग से दिनांक 24 मार्च 2026 को **आयुष स्टार्टअप कॉन्क्लेव–2026** का आयोजन पीजीआईए सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का विषय हीलर्स (चिकित्सकों) को उद्यमी बनने के लिए सशक्त बनाना रखा गया। इसके माध्यम से आयुष क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं चिकित्सकों को उद्यमिता की ओर प्रेरित किया गया। विश्वविद्यालय के स्टार्टअप एवं इनोवेशन केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) हरीश कुमार सिंघल ने स्वागत उद्‌बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा आयुष क्षेत्र में स्टार्टअप की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन प्रदान करते हुए कहा कि आयुष क्षेत्र में स्टार्टअप एवं उद्यमिता की असीम संभावनाएं हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों एवं चिकित्सकों को पारंपरिक आयुष ज्ञान को आधुनिक तकनीक, नवाचार एवं प्रबंधन कौशल से जोड़ते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने हेतु प्रेरित किया। तकनीकी सत्र में प्रो. चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना से आये विशेषज्ञ वक्ता डॉ. राणा सिंह ने **उद्यमशील मानसिकता के साथ हीलर्स को परिवर्तनकर्त्ता बनाना** विषय पर व्याख्यान देते हुए स्टार्टअप निर्माण, नेतृत्व क्षमता एवं नवाचार की आवश्यकता पर विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात् दूसरे सत्र में विशेषज्ञ वक्ता श्री मनीष कुमार ने **आइडिया से डिजिटल स्टार्टअप तकः एआई, तकनीक एवं ऑटोमेशन का उपयोग** विषय पर अपने विचार साझा करते हुए प्रतिभागियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं आधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्टार्टअप स्थापित करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों व शिक्षकों को दिया नवाचार और शोध का संदेश

विश्वविद्यालय में **न्यू होराइजन्स इन आयुष** विषय पर एक महत्त्वपूर्ण व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम दिनांक 25 मार्च 2026 को आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय

के पीजीआईए सेमिनार हॉल में सेंटर फॉर ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (सीएचआरडी) द्वारा कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल के सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय सलाहकार अशोक वार्ष्णेय ने आयुष क्षेत्र, विशेषकर आयुर्वेद के वर्तमान परिदृश्य, वैश्विक स्वीकार्यता और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद केवल उपचार प्रणाली ही नहीं बल्कि एक समग्र जीवनशैली है, जिसे आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध के साथ जोड़कर वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा सकता है। इस अवसर पर आरोग्य भारती उत्तर एवं राजस्थान क्षेत्र के संयोजक संजीवन कुमार तथा आरोग्य भारती जोधपुर महानगर के पूर्णकालिक कार्यकर्ता ज्ञानेश्वर की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर श्री वार्ष्णेय ने विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालयों के सभी संकाय सदस्यों के साथ एक विशेष संवाद सत्र में भी भाग लिया। इस संवाद में आयुर्वेद के समग्र विकास, उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, पाठ्यक्रम के आधुनिकीकरण तथा क्लिनिकल प्रैक्टिस को अधिक प्रभावी बनाने के संभावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर श्री वार्ष्णेय ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें व्यवहार में लाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य, पीजीआईए, प्रो. चंदन सिंह, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ के अध्यक्ष प्रो. गोविंद प्रसाद गुप्ता, डीन आयुर्वेद प्रो. महेंद्र कुमार शर्मा, सीएचआरडी निदेशक डॉ. राकेश कुमार शर्मा सहित विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय एवं बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

विश्वविद्यालय एवं बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी के बीच दिनांक 25 मार्च 2026 को एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता आयुर्वेद, तकनीकी शिक्षा, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने कहा कि यह समझौता आयुर्वेद और आधुनिक तकनीकी शिक्षा के बीच सहयोग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि आज के दौर में स्वास्थ्य विज्ञान और तकनीकी नवाचार का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। इस साझेदारी से दोनों विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों को संयुक्त अनुसंधान, नई तकनीकों के विकास और ज्ञान के आदान–प्रदान का अवसर मिलेगा। यह एमओयू प्रारंभिक रूप से तीन वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा, जिसे दोनों संस्थानों की सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। इस अवसर पर बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी से डॉ. गणेश प्रजापत, डॉ. रितुराज सोनी, डॉ. राणूलाल चौहान और आयुर्वेद विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. चंदन सिंह, प्रो. महेंद्र शर्मा, प्रो. ए. नीलिमा, प्रो. दिनेश चंद शर्मा तथा डॉ. मनीषा गोयल सहित अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

फीमेल इन्फर्टिलिटी कार्यशाला आयोजित

पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के स्नातकोत्तर स्त्री रोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग द्वारा एविडेंस–बेस्ड डिसीजन्स इन फीमेल फर्टिलिटी असेसमेंट एंड मैनेजमेंट विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27 मार्च 2026 किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय में फीमेल इन्फर्टिलिटी एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण शोध का विषय बन चुका है और आयुर्वेद के माध्यम से इसके समग्र समाधान की संभावनाएँ व्यापक रूप से मौजूद हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. योगेश चंद मिश्र, सेवानिवृत्त

प्राचार्य, आयुर्वेद महाविद्यालय बरेली ने कहा कि वर्तमान में वंध्यत्व संबंधी समस्याएँ निरन्तर बढ़ रही हैं। ऐसे में इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ भविष्य के चिकित्सकों के लिए ज्ञानवर्धक और आवश्यक हैं। कार्यशाला की मुख्य वक्ता प्रो. भारती कुमारमंगलम, विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर स्त्री एवं प्रसूति तंत्र, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (डीम्ड टू यूनिवर्सिटी), जयपुर रहीं।

विभागाध्यक्ष प्रो. ए. नीलिमा ने कार्यशाला का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. श्रीराम शर्मा, सेवानिवृत्त चिकित्साधिकारी, ने गर्भ–स्थापक उपायों एवं अपने दीर्घ अनुभवों को साझा किया। वहीं डॉ. दिव्या शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, ने एंडोमेट्रियोसिस पर विस्तृत एवं प्रभावी व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रो. महेन्द्र कुमार शर्मा–डीन एकेडमिक, प्रो. चंदन सिंह, प्राचार्य–पीजीआईए, डॉ. राकेश शर्मा–निदेशक मानव संसाधन विकास केन्द्र, डॉ. नितिन शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर, राजकीय आयुर्वेद कॉलेज, बरेली, डॉ. रश्मि शर्मा ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, डॉ. आशा के.पी., को–ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, कोऑर्डिनेटर डॉ. हेमन्त कुमार मेनारिया, डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. सविता विश्नोई सहित स्नातक एवं स्नातकोत्तर अध्येता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्नातकोत्तर अध्येता डॉ. अंकिता चौहान एवं डॉ. मयूराक्षी द्वारा किया गया।

ग्राम केलावा कलां में नशा मुक्ति एवं पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पांसिबिलिटी (यूएसआर) योजना के चतुर्थ चरण के अंतर्गत गोद लिए गए केलावा कलां ग्राम में 28 मार्च 2026 को नशा मुक्ति एवं पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, अगद तंत्र विभाग ने ग्रामीणों को नशे के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणाम एवं परिवार व समाज पर इसके नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति पर व्याख्यान देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने, सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा नशा छोड़ने के प्रभावी उपायों के बारे में बताया। डॉ. निकिता पंवार, असिस्टेंट प्रोफेसर, द्रव्यगुण विभाग ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार रखते हुए प्रदूषण के खतरों, जल–वायु संरक्षण एवं वृक्षारोपण के महत्त्व पर प्रकाश डाला। योग सहायक श्याम लाल विश्नोई द्वारा योग एवं प्राणायाम के महत्व के बारे में ग्रामीणों को जागरुक किया गया। कार्यक्रम में गोद ग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. हेमन्त कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्रीरोग एवं प्रसूति तंत्र विभाग ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कुलगुरू विश्व आयुर्वेद परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मुख्य अतिथि

विश्व आयुर्वेद परिषद की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक एवं चिंतन शिविर का आयोजन दिनांक 28 मार्च एवं 29 मार्च 2026 को जोधपुर के सुदर्शन सेवा संस्थान में हुआ। इस अवसर पर देशभर से आए आयुर्वेद विशेषज्ञों और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर कुलगुरू ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में देश की स्वास्थ्य संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए आयुर्वेद में व्यापक सहयोग और समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों और संस्थानों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक विजयानंद, विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. योगेशचंद्र मिश्र, राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुरेंद्र चौधरी एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने आयुर्वेद शिक्षा, अनुसंधान, औषध निर्माण, डिजिटल हेल्थ और वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर अपने

विचार साझा किए। चिंतन शिविर के अन्य सत्रों में आगामी वर्ष की कार्ययोजना तैयार की गई। इससे आयुर्वेद को जन– जन तक पहुंचाने और वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता मंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने किया पंचकर्म चिकित्सा सेवाओं का अवलोकन

दिनांक 30 मार्च 2026 को राजस्थान सरकार में कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने विश्वविद्यालय के पंचकर्म सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पहुँचकर यहा प्रदान की जा रहीं चिकित्सा सुविधाओं, उपचार प्रक्रियाओं एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ–साथ मंत्री श्री विश्नोई ने पंचकर्म चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाते हुए इसके सकारात्मक प्रभावों का अनुभव भी किया। इस अवसर पर कुलगुरू प्रो. (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने मंत्री महोदय का स्वागत किया एवं उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान तथा चिकित्सीय गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। पंचकर्म विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ज्ञान प्रकाश शर्मा ने मंत्री महोदय को केंद्र की कार्यप्रणाली, विभिन्न उपचार विधियों, रोगियों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। मंत्री श्री विश्नोई ने केंद्र में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सा पद्धति वर्तमान समय में स्वास्थ्य संरक्षण और विभिन्न रोगों के उपचार में अत्यंत प्रभावी एवं उपयोगी सिद्ध हो रही है। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं, स्वच्छता तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की प्रशंसा की। इस दौरान विभाग के चिकित्सक, शोधार्थी एवं अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

संरक्षक
प्रो. (वैद्य) गोविन्द सहाय शुक्ल
कुलगुरू

उप संरक्षक
श्री अखिलेश कुमार पिपल (RAS)
कुलसचिव

सम्पादक
डॉ. राकेश कुमार शर्मा
निदेशक, मानव संसाधन विकास केन्द्र

सह–सम्पादक

डॉ. हरीश कुमार सिंघल
प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. अरुण दाधीच
एसोसियेट प्रोफेसर, रोग व विकृति विज्ञान

डॉ. भानुप्रिया चौधरी
एसोसियेट प्रोफेसर, काय चिकित्सा

डॉ. हेमन्त कुमार
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, प्रसूति तंत्र एवं स्त्री रोग

डॉ. अशोक कुमार यादव
असिस्टेण्ट प्रोफेसर, कौमारभृत्य

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय
कड़वड़, नागौर रोड, राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 65, जोधपुर (राज.)
Phone : 0291-2795312, Fax : 0291-2795300
E-mail : rau_jodhpur@yahoo.co.in
Website : https://rauonline.in
स्वामी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. राकेश कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, रचना शारीर विभाग द्वारा भण्डारी प्रिन्टसिटी, 23-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया गली नं. 1, न्यू पावर हाउस के पीछे, डीजल शेड, जोधपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित ।
सम्पादक : डॉ. राकेश कुमार शर्मा

भारत सरकार की सेवार्थ
प्रिण्टेड बुक
सेवा में
.....
.....
.....
.....